सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 122 | जौनपुर, शनिवार, 21 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म : सीएम योगी

अयोध्या,(एजेंसी)। यूपी के अयोध्या में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। यहां सीएम की हेलीपैड रामकथा पार्क पर उतरा। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में दर्शन करने के बाद रामलला के दर्शन किए। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए अशर्फी भवन पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अशर्फी भवन के पास मंडप में आयोजित पंच नारायण महायज्ञ में आहुति अर्पित की। इस मौके पर सीएम ने कहा कि श्रीहरि की कृपा से यह सृष्टि संचालित है। अयोध्या धाम त्रेतायुग की अवधारणा को जिंदा कर रहा है। विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म को सुरक्षित रखना होगा। सीएम ने कहा कि विरासत को विस्मृत कर हम भौतिक विकास को नहीं बनाए रख सकते। विरासत और

भौतिक विकास का समन्वय होना चाहिए। भारत की परंपरा इष्ट देवों, धर्म स्थलों, मान बिंदुओं से है। इन मूल्यों को याद कर आगे बढ़ेंगे तो भारत बना रहेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विकसित भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म को सुरक्षित रखना होगा। सनातन धर्म सुरक्षित है तो सब सुरक्षित हैं। कोई मत, मजहब नहीं है। इसमें सबके कल्याण की बात की गई हो। सनातन धर्म में वसुदेव कुटुंबकम की बात कही गई है। दुनिया के हर जाति, मत, मजहब, संप्रदाय के लोगों को विपत्ति के समय सनातन धर्म ने शरण दिया। लेकिन, आज दुनिया में हिंदुओं के साथ क्या हो रहा है? बांग्लादेश में क्या हो रहा है? हम सभी देख रहे हैं। पाकिस्तान–अफगानिस्तान में पहले क्या हुआ? सीएम ने कहा कि कभी काशी विश्वनाथ तो कभी राम जन्मभूमि, मथुरा, संभल, हरिहर भूमि तो कभी भोज में मंदिरों को नष्ट किया जाता है, तोड़ा जाता है, अपवित्र किया जाता है। जिन्होंने अपवित्र किया मंदिरों को उनके कुल वंश नष्ट हुए। दुनिया के अंदर विश्व शांति की स्थापना करना है तो सनातन धर्म ही कर सकता है। भारत के अंदर सनातन धर्म ही राष्ट्रीय धर्म है। इसकी रक्षा संरक्षण के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। योगी ने कहा कि अशर्फी भवन सैकड़ों वर्षों से अपनी परंपरा के लिए जाना जाता है। मंदिर आंदोलन को यज्ञ मानकर धार्मिक पीठों ने सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। पांच फरवरी 2020 को पीएम मोदी के हाथों राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जबकि 22 जनवरी 2024 को रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। कौन ऐसा रहा होगा जिसकी आंखों में श्रद्धा के आंसू ना आए रहे हों। सीएम ने कहा कि काशी, अयोध्या में त्रेता युग की स्मृतियां जीवंत हो रही है। रामलला का आगमन हो गया है। यहां से निकलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरयू अतिथि गृह पहुंचे हैं। यहां समीक्षा बैठक कर रहे हैं। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के वर्षगांठ महोत्सव के साथ मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करके चर्चा कर रहे हैं। बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, खाद्य रसद मंत्री सतीश शर्मा, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और खेलकूद मंत्री गिरीश यादव मौजूद हैं।

पश्चिम बंगाल में सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे अमित शाह

कोलकाता,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज यानी शुक्रवार को सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सीमांत मुख्यालय में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे तथा अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह बृहस्पतिवार रात पश्चिम बंगाल पहुंचे जहां केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित बागडोगरा हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे सिलीगुड़ी में एसएसबी सीमांत मुख्यालय के परेड ग्राउंड में स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाह बाद में एसएसबी अधिकारियों के साथ 'क्षेत्र मूल्यांकन रजिस्टर' की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह समीक्षा बैठक भी एसएसबी सीमांत मुख्यालय में होगी। भाजपा की राज्य इकाई के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''एसएसबी फ्रंटियर मुख्यालय में 'क्षेत्र मूल्यांकन रजिस्टर' समीक्षा बैठक के बाद वह त्रिपुरा के लिए रवाना होंगे।'' भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सूत्रों के अनुसार, शाह का कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है लेकिन वह मजूमदार के साथ बैठक कर सकते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

धामी ने उत्तराखंड निवास को आम लोगों को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

देहरादून ,(एजेंसी)। यहां बृहस्पतिवार को जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से उत्तराखंड निवास में कक्ष आरक्षण के लिए जारी शासनादेश को तत्काल संशोधित करने को कहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह की खबरें आयी थीं कि 120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने उत्तराखंड निवास में केवल अतिविशिष्ट और विशिष्ट व्यक्ति ही ठहर सकेंगे। इस संबंध में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तराखंड निवास में कक्ष आरक्षण के लिए जारी शासनादेश को तत्काल संशोधित किया जाए और उत्तराखंड के आम व्यक्ति को भी उपलब्धता के आधार पर वहां कक्ष मिल सके, ऐसी व्यवस्था की जाए।

भारत परोपकार के लिए तैयार, दुनिया के लिए गुरु बन सकता है : आरएसएस प्रमुख

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व को एक 'गुरु' की जरूरत है और भारत वह 'गुरु' बन सकता है। वह 'विश्वगुरु भारत' विषय पर एक कार्यक्रम में व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''हर कोई सोचता है कि भारत को 'विश्व गुरु' होना चाहिए। दुनिया कुछ सकारात्मक विचारों के साथ आगे बढ़ रही है और सुविधाओं तथा सेवाओं में वृद्धि हुई है, लेकिन चारों ओर शांति नहीं है। दुनिया के कुछ हिस्सों में युद्ध हो रहे हैं, जबकि प्रदूषण बढ़ रहा है। जब बारिश की उम्मीद होती है, तब बारिश नहीं होती और जब बारिश होती है, तो बहुत नुकसान हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया को एक गुरु की जरूरत है और भारत वह गुरु हो सकता है। हमारा देश परोपकार के लिए तैयार है।

मृतक के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी राज्य सरकार

जयपुर,(एजेंसी)। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट कर कहा, ''जयपुर –अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग लगने की घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। अथाह शोक की इस घड़ी में हमारी सरकार द्वारा मृतकों के परिवार को पांच–पांच लाख रुपये तथा घायलों को एक–एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है। त्वरित उपचार को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। जयपुर के इलाके में अलसुबह एलपीजी टैंकर को एक ट्रक द्वारा टक्कर मारे जाने के बाद लगी आग ने 30 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।

आंबेडकर का सम्मान न करने वाली भाजपा और अन्य पार्टियां एक ही थैले के चट्टे–बट्टे : मायावती

लखनऊ,(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये सभी ''बाबा साहब डॉ. आंबेडकर का निरादर करने के मामले में एक ही थैले के चट्टे–बट्टे हैं''। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''भाजपा के श्री अमित शाह द्वारा संसद में दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा परमपूज्य बाबासाहेब डा. भीमराव

अम्बेडकर के बारे में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, उससे इन वर्गों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। ऐसे में उन शब्दों को वापस लेकर इनको पश्चाताप भी जरूर करना चाहिए।'' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री का यह बयान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में राज्यसभा में आंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दलों के बीच चल रही खींचतान के बीच आया है। उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार करना असंभव है कि कांग्रेस, भाजपा एवं इनके सहयोगी दलों का चाल, चरित्र व चेहरा बाबा साहेब डा. आंबेडकर व उनके करोड़ों दलित–पिछड़े, शोषित–पीड़ित अनुयायियों के हितों और कल्याण के प्रति हमेशा संकीर्ण एवं जातिवादी रहा है और यही वजह है कि इन समुदायों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक हालात लगातार बदतर हुए हैं। मायावती ने यह भी लिखा कि बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर के प्रति दिल से सम्मान नहीं करने, उनके अनुयायियों के विरुद्ध अन्याय–अत्याचार करने तथा इन्हें संवैधानिक एवं कानूनी हक देने के बजाय छीनने में भी ये पार्टियां एक ही थैली के चटटे–बट्टे हैं।

जोश और उत्साह का साक्षी बना आर्मी पब्लिक स्कूल एस.पी.मार्ग का वार्षिक खेल दिवस कैवल्यम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आर्मी पब्लिक स्कूल, सरदार पटेल मार्ग लखनऊ ने अपना वार्षिक खेल दिवस कैवल्यम 20 एवं 21 दिसंबर 2024 विद्यालय प्रांगण लखनऊ कैंट में मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल (रिटायर्ड) एम ए सिद्दीकी, डायरेक्टर रहें। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के स्वागत में विद्यालय के चारो सदनों के छात्रों तथा एन.सी.सी. कैडेट्स ने मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। मशाल प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और बच्चों द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गयी। तत्पश्चात विभिन्न दौड़ों का आयोजन किया गया। कक्षा चौथी से आठवीं तक के बच्चों ने मास पी टी, हुला हूप और फ्लैग ड्रिल का एक संगीतमय स्पैक्ट्रम प्रस्तुत किया तथा तन और मन के संतुलन हेतु विभिन्न आसनों एवं नृत्य के संयोजित रूप से दिव्य योग का प्रदर्शन भी हुआ।

जिमनास्टिक के प्रदर्शन में छात्रों के अद्भुत समन्वय, संतुलन ,चपलता, शक्ति और समर्पण ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय के वर्तमान तथा पूर्व छात्रों द्वारा 'टग ऑफ वार' प्रस्तुत किया गया जिससे विद्यालय की पुरानी यादें एक बार फिर ताजा हो गईं। एक ओर जुम्बा फिएस्टा तथा ग्रैंड फिनाले ने दर्शकों को आनंदित किया तो दूसरी ओर वीरता, साहस और खेल की भावना का प्रतीक शुभांकर शूरा संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने AWES मध्य कमान में कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्कृष्ट परिणाम के लिए विद्यालय की प्राचार्या सीमा तारा के साथ स्कूल के दसवीं के शिक्षकों को अकादमिक उत्कृष्टता ट्रॉफी से सम्मानित किया तथा आयोजन के प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने ऊर्जा और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए छात्रों और कर्मचारियों की सराहना की तथा उप–प्राचार्या, अर्चना श्रीवास्तव ने अतिथियों को उनकी उपस्थिति और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

हंगामे की भेंट चढ़ गया संसद कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र एक तरह से पूरा का पूरा हंगामे की भेंट चढ़ गया। इस बार सत्र में कोई खास काम नहीं हो सका। सरकार ने एक देश, एक चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण विधेयक संसद में पेश तो कर दिया लेकिन इसे जेपीसी को विचार के लिए भेज दिया गया। इसके अलावा वक्फ विधेयक भी टाल दिया गया। इस सत्र में संविधान पर जरूर चर्चा हुई लेकिन वह भी आरोप–प्रत्यारोप तक ही सीमित रही। सत्र के शुरुआती दिन अडाणी विवाद और अंतिम दिन अमित शाह की टिप्पणी को लेकर उठे विवाद की भेंट चढ़ गये। इस बीच, संसद परिसर में एक दिन पहले जो कुछ हुआ उससे देश चिंतित नजर आ रहा है क्योंकि बात सिर्फ दो सांसदों को शारीरिक रूप से नुकसान पहुँचाने की नहीं है बल्कि लोकतंत्र की गरिमा और मर्यादा को बड़ा नुकसान पहुँचाने की भी है। इस बीच, संसद परिसर में हुई ''धक्का–मुक्की'' के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मामला दर्ज होने के बाद बताया जा रहा है कि पुलिस इस घटना में घायल दो सांसदों के बयान दर्ज कर सकती है और विपक्षी नेता को पूछताछ के लिए भी बुला सकती है। दिल्ली पुलिस संसद सचिवालय को भी पत्र लिखकर उस क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की मांग कर सकती है, जहां घटना घटी थी। एक अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मामले को स्थानीय पुलिस से अपराध शाखा को सौंपने पर भी विचार कर सकते हैं। हम आपको बता दें कि संसद मार्ग थाने में बृहस्पतिवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना), 125 (दूसरों के जीवन या निजी सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य), 131 (आपराधिक बल का प्रयोग), 351 (आपराधिक धमकी) और 3 (5) (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। भाजपा द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के कुछ घंटों बाद ही राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। शिकायत में उन पर धक्का–मुक्की के दौरान ''हमला करने और उकसाने'' का आरोप लगाया गया है। इस धक्का–मुक्की में भाजपा के दो सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे। वहीं संसद की कार्यवाही की बात करें तो आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र में लोकसभा की कार्यवाही आज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे आरंभ होने के बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को संसद की संयुक्त समिति।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने नागालैंड की सांसद पर 'हमले' के लिए राहुल गांधी की निंदा की

मणिपुर ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में नगालैंड से राज्यसभा सांसद फांगनोन कोन्याक का कथित तौर पर 'उत्पीड़न' करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की निंदा की। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मैं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अस्वीकार्य और अपमानजनक आचरण की निंदा करता हूं, जिन्होंने संसद में नगालैंड से राज्यसभा सांसद फांगनोन कोन्याक का उत्पीड़न किया।" सिंह ने कहा, "यह व्यवहार एक संस्था के रूप में संसद की पवित्रता का अपमान है। मैं फांगनोन कोन्याक के साथ एकजुटता से खड़ा हूं और मैं अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि वे यह सुनिश्चित करें कि न्याय तेजी से हो। आइए हम अपने संस्थानों में सम्मान, समानता और शालीनता के मूल्यों को बनाए रखने की दिशा में काम करें।" इससे पहले दिन के समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्यसभा सदस्य फागनोन कोन्याक ने आरोप लगाया कि संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल ने उन्हें असहज महसूस कराया।

राम मंदिर बना देने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन गया : मोहन भागवत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कई मंदिर–मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर ''हिंदुओं के नेता'' बन सकते हैं। भागवत ने साथ ही नये विवादों के उठने पर भी नाराजगी जताई है। हम आपको याद दिला दें कि हाल के दिनों में मंदिरों का पता लगाने के लिए मस्जिदों के सर्वेक्षण की कई मांगें अदालतों तक पहुंची हैं, हालांकि भागवत ने अपने व्याख्यान में किसी का नाम नहीं लिया। भागवत के बयान पर जहां हिंदू संतों ने सधी हुई प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है कि इसे पूरे परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए वहीं मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भागवत के बयान का स्वागत किया है। हम आपको याद दिला दें कि मोहन भागवत पहले भी कह चुके हैं कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग ढूंढ़ना सही नहीं है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सहजीवन व्याख्यान माला में 'भारत– विश्वगुरु' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने समावेशी समाज की वकालत की और कहा कि दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि देश सद्भावना के साथ एक साथ रह सकता है। भारतीय समाज की बहुलता को रेखांकित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस मनाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ''केवल हम ही ऐसा कर सकते हैं क्योंकि हम हिंदू हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से सद्भावना से रह रहे हैं। अगर हम दुनिया को यह सद्भावना प्रदान करना चाहते हैं, तो हमें इसका एक मॉडल बनाने की जरूरत है। राम मंदिर के निर्माण के बाद, कुछ लोगों को लगता है कि वे नयी जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है।'' मोहन भागवत ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण इसलिए किया गया क्योंकि यह सभी हिंदुओं की आस्था का विषय था। उन्होंने किसी विशेष स्थल का उल्लेख किए बिना कहा, ''हर दिन एक नया मामला (विवाद) उठाया जा रहा है। इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है? यह जारी नहीं रह सकता। भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आ जाए। लेकिन अब देश संविधान के अनुसार चलता है। इस व्यवस्था में लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं।, आधिपत्य के दिन चले गए। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन भी इसी तरह की कट्टरता के लिए जाना जाता था।

राहुल के खिलाफ प्राथमिकी से दिखता है कि सत्तापक्ष में हताशा बड़े स्तर की है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि इस बात से पता चलता है कि सत्तापक्ष में किस स्तर की हताशा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के लोग बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान सहन नहीं करेंगे। दिल्ली पुलिस ने संसद परिसर में हुई ''धक्का–मुक्की'' के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इससे पहले दिन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस को एक शिकायत देकर उन पर संसद परिसर में ''धक्का–मुक्की'' के दौरान ''शारीरिक हमला और उकसावे'' में शामिल होने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''आज पूरा देश देख रहा है कि भाजपा के लोगों ने राहुल गांधी जी पर तमाम मामले दर्ज करा रखे हैं। वे नित नई प्राथमिकी दर्ज कराते हैं।

संपादकीय

संघर्ष की छाया

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे–मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परि दृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

संविधान का मर्म समझ अनुकरण की जरूरत

आदित्य

भले ही घोषित उद्देश्य कुछ भी रहा हो पर संसद के दोनों सदनों में भारत के संविधान के संदर्भ में हुई चार दिन की बहस कुल मिलाकर निराश करने वाली ही थी। निश्चित रूप से यह एक ऐसा अवसर था जब हमारे सांसद न केवल संविधान को नये सिरे से समझने की कोशिश के रूप में उपयोग में ला सकते थे, बल्कि देश के सामने एक ऐसी रूप–रेखा भी रख सकते थे जो 'संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की स्थापना के लिए 'हम भारत के लोगों ने समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपने लिए बनाया था। हमारा संविधान नागरिक के अधिकारों के साथ–साथ उसके कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है। 75 साल पहले हमने अपने लिए यह संविधान बनाया था और एक सपना देखा था कि इसके आधार पर हम एक नया भारत बनायेंगे। इसीलिए, यह एक अवसर था जब हम मिल–जुल कर यह आकलन करते कि हमारा यह संविधान, जो विश्व का सबसे वृहद लिखित संविधान है, अब तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल रहा हैय नागरिक से और राजनेताओं से संविधान जो अपेक्षाएं करता है, उन्हें किस हद तक पूरा किया गया हैय और हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचाने में यह संविधान अब तक कितना कुछ कर पाया है। यह अवसर था जब हम देखते कि संविधान में वर्णित सपनों को पूरा करने में हम कितनी दूरी तक पहुंच पाये हैं? वस्तुतः यह आत्म–विश्लेषण का भी अवसर था। अपनी उपलब्धियों और कमियों का ईमानदार आकलन होना चाहिए था। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हुआ वह कुल– मिलाकर निराश करने वाला ही था। सारी बहस के दौरान कहीं ऐसा नहीं लगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष ने इस संदर्भ में कोई विशेष तैयारी की थी। एक–दूसरे पर आरोपों–प्रत्यारोपों का वही सिलसिला इस बार भी दिखा जो दुर्भाग्य से हमारी संसद में होने वाली बहसों की एक पहचान बन चुका है। यह कहना गलत होगा कि हमारी संसद में सही सोच वाले और दूसरे की बात को सही ढंग से समझने वाले लोग हैं ही नहीं, पर पता नहीं क्यों हमारे राजनीतिक दल और अधिकांश राजनेता व्यक्तिगत आरोपों–प्रत्यारोपों से ऊपर उठकर कुछ सोचने–कहने के लिए तैयार ही नहीं दिखते। विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाने वाले हमारे संविधान–निर्माताओं ने इसे तैयार करने के लिए हर धारा, हर शब्द पर गहराई और गंभीरता से विचार किया था। संविधान–सभा की सारी कार्रवाई उपलब्ध है। वे सारी बातें और भाषण मौजूद हैं जिनके माध्यम से संविधान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की आशाएं बांधी गयी थीं। ऐसा नहीं है कि हमारे संविधान–निर्माताओं में मतभेद नहीं थे। खूब मतभेद थे। पर उन्होंने बड़े ही धैर्य से मतभेदों की कंटीली राहों में विवेक के आधार पर पगडंडियां बनायीं– हमारे लिए एक ऐसी विरासत छोड़ गये जो हमारी राहों को सुगम बना सकती थी। यह अवसर उस विरासत के बारे में विचार करने का था, उन दार्शनिक आधारों को समझने का था जो हमारी विकास–यात्रा के लिए हमारे पूर्वजों ने हमें सौंपे थे। दुर्भाग्य ही है कि संसद में हुई चार दिन की बहस कुछ व्यक्तियों–परिवारों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। लगभग सभी वक्ता वही सब बोले जो वह चुनावी सभाओं में बोलते चले आ रहे हैं। वही सोच, वही शब्दावली। मैं दुहराना चाहता हूं कि यह अवसर आरोपों– प्रत्यारोपों का नहीं, आत्मालोचन का था। संसद में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए दूसरे की कमीज को अधिक मैला साबित करने के बजाय अपनी कमीज के दागों को देखने का मौका था यह। यह मौका उन्होंने गंवा दिया। नुकसान उनका नहीं

हुआ, नुकसान हुआ है भारत के उस आम नागरिक का जो सब कुछ देखने के बावजूद उम्मीद लगाये बैठा है कि उसके नेता कभी तो सही राह पर आयेंगे। पिछले एक लंबे अरसे से हम यह देख रहे हैं कि हमारी संसद में होने वाली बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सारी बहस व्यक्तियों पर केंद्रित होकर रह जाती है। व्यक्तियों की गलतियों की चर्चा होनी चाहिए, पर यह चर्चा यहीं सिमटनी भी नहीं चाहिए। बात विचारों पर होनी चाहिए। सोचा जाना चाहिए था कि बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद, पुरुषोत्तम दास टंडन, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर जैसे व्यक्तित्वों ने क्या सोचकर हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसके कारण पिछले पिचहत्तर साल में हमारा लोकतंत्र सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर के लिए मिसाल बना हुआ है? ऐसा नहीं है कि इस दौरान संविधान के संदर्भ में कोई गलती नहीं हुई। आपातकाल निश्चित रूप से एक काले अध्याय के रूप में याद रखा जाना चाहिएदृ पर यह याद इसलिए नहीं होनी चाहिए कि किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा गलत, कहना चाहिए आपराधिक, कदम उठाया था, इस काले अध्याय को याद इसलिए रखा जाना चाहिए ताकि फिर कोई शासक इस तरह का अपराध न कर पाये। संविधान में उचित संशोधन करके इस आशंका को मिटाने की कोशिश की गयी है, पर आवश्यकता नेतृत्व की सोच में संशोधन करने की है। यह याद रखना जरूरी है कि हमने संविधान जब बनाया तो देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था। सांप्रदायिकता की आग में जलने के बावजूद तब हमारे नेतृत्व ने हमें एक पंथ–निरपेक्ष समाज के निर्माण का संदेश दिया था, हमें बताया था कि समानता का अर्थ यह है कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर एक मानवीय समाज की रचना करके ही हम एक न्यायपूर्ण व्यवस्था को अपना सकते हैं। हमारे नेता आज संविधान को सर्वोपरि मानने की बात तो करते हैं, पर उनकी करनी में वह सब दिखाई नहीं देता जिसकी अपेक्षा हमारा संविधान उनसे करता है। हमें हमारे संविधान–निर्माताओं ने बंधुता का आदर्श दिया था, हम धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर स्वयं को दूसरे से बेहतर स्थापित करने में लगे हैं। संविधान को लागू करने के 75वें साल में हमें अपने संविधान के आमुख में कही बातों को सही अर्थों में समझने की कोशिश करनी चाहिए थी, पर संसद में हुई बहस व्यक्तियों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। विचार और व्यक्ति को अलग करके देखने–समझने का विवेक जैसे हमने खो दिया है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस बहस के दौरान ऐसा कुछ अहसास नहीं होने दिया, जो यह बताता कि हमारे नेता संविधान को सचमुच आदर की दृष्टि से देखते हैं। संविधान को हाथ में लेकर शपथ लेने अथवा संविधान के समक्ष माथा टेकने के नाटक से उबरना होगा हमें। आवश्यकता संविधान की भावना को समझने, उसे जीने, की है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई आश्वासन इस बहस के दौरान दिखा नहींदृकब कोई देगा ऐसा आश्वासन?

सच ही तो है- अंबेडकर जी सम्मान का विषय हैं फैशन का नहीं

प्रवीण

भाजपा के डीएनए में प्रारंभ से ही "दलित विमर्श" रहा है, क्योंकि इसका मातृ संगठन आरएसएस प्रारंभ से ही "सामाजिक समरसता" के मार्ग पर चलने वाला संगठन रहा है। इस "दलित विमर्श" के ही डीएनए का परिणाम है कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही इस देश में अंबेडकर जी को 'भारत रत्न' सम्मान मिल पाया। अंबेडकर जी को कांग्रेस ने भारत रत्न नहीं दिया, उसने तो नेहरू जी के प्रधानमंत्री रहते नेहरू जी को और इंदिरा जी की सरकार रहते इंदिराजी को भारत रत्न दे दिया था। अंबेडकर जी, संत पेरियार, महात्मा फुले, नारायण स्वामी जैसे दलित महापुरुष संघ के प्रतिदिन होने प्रातः स्मरण मंत्र में सम्मिलित हैं। संघ के स्वयंसेवक जो भाजपा के कार्यकर्ता बनते हैं वे प्रतिदिन सुबह के अपने प्रातः स्मरण के मंत्र में अंबेडकर जी का नाम श्रद्धा से लेते हैं। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और विश्व के सबसे बड़े मजदूर नेता दत्तोपंत ठेंगड़ी तो बाबासाहेब के चुनाव में आधिकारिक एजेंट की भूमिका में रहे हैं। इस तथ्य से आप उस कालखंड में संघ व अंबेडकर जी की म्यूचुअल अंडरस्टेंडिंग या केमिस्ट्री को समझ सकते हैं। संघ के मूल चिंतन में दलित चिंता सदैव से रही है, इसका परिणाम है कि, मुंबई में जिस स्थान पर भाजपा का जन्म हुआ, उस स्थान का नाम संघ के प्रचारकों ने "समता नगर" रखा था। यह नाम एक बड़ा प्रतीक था भाजपा के दलित चिंतन वाले डीएनए का। बड़े दलित नेता व दलित पेंथर मूवमेंट के नेता दत्ताराव सिंदे यह सब देखकर ही भाजपा के कार्यकर्ता बने थे। संविधान पर चर्चा में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में जो कहा उसके पहले 11 सेकंड के अंश को भ्रामक रूप से देश भर में फैलाया जा रहा है। इससे कांग्रेस, अंबेडकर जी को फैशन का विषय मानने के, अपने चिर पुराने चरित्र को ही दोहरा रही है। गृहमंत्री जी के इस व्यक्तव्य को यदि पूरा सुनेंगे तो अंबेडकर जी के अपमान के सारे वहम दूर हो जाते हैं। अमित शाह ने कहा – "हमे तो आनंद है कि अंबेडकर का नाम लेते हैं। अंबेडकर का नाम आप 100 बार ज्यादा लो, लेकिन साथ–साथ अंबेडकर जी के प्रति आपका भाव क्या है, ये भी बताता हूं। अंबेडकर को देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों देना पड़ा। अंबेडकर जी ने कई बार कहा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के प्रति हो रहे व्यवहार से मैं असंतुष्ट हूं। सरकार की विदेश नीति से मैं असहमत हूं और अनुच्छेद 370 से मैं असहमत हूं"। शाह ने आगे कहा, अंबेडकर जी को आश्वासन दिया गया, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया, बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया।" "उन्होंने कई बार कहा कि वह अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ होने वाले व्यवहार से असंतुष्ट हैं। अंबेडकर को आश्वासन दिया गया था, जो पूरा नहीं हुआ, इसलिए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। बार बार संविधान और फैशन में अंबेडकर जी का नाम रटने वाली कांग्रेस ने तो बाबा साहेब को संविधान सभा के 296 सदस्यों में अंबेडकर जी को प्रवेश तक भी न मिलने देनें हेतु षड्यंत्र रचे थे। बाद में दलित नेता जोगेंद्रनाथ मंडल के सहयोग से वे येन केन प्रकारेण संविधान सभा में प्रवेश कर पाये थे। अंबेडकर जी बंगाल की जिस खुलना जैसोर सीट से संविधान सभा में पहुँचे थे वह इकहत्तर प्रतिशत हिंदू बहुल थी। देश विभाजन में ईक्कावन प्रतिशत हिंदू बहुल वाले क्षेत्रों को भारत में रहने देना तय हुआ था। केवल बाबासाहेब को संविधान सभा में घुसने से रोकने के लिए कांग्रेस ने बंगाल का यह इकहत्तर प्रतिशत वाला जिला पाकिस्तान को दे दिया था ताकि अंबेडकर जी की संविधान सभा की सदस्यता रद्द हो जाए। आज अंबेडकर जी का नाम फैशन में लेने वाली कांग्रेस ने तो अंबेडकर जी का चित्र तक लोकसभा में नहीं लगने दिया था। संसद में, गैरकांग्रेसी सरकार बनने पर ही अंबेडकर जी का चित्र लग पाया था। भाजपा ने अंबेडकर जी से जुड़े पाँच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया। बाबासाहेब लंदन में जिस घर में रहे, भाजपा सरकार ने उसका भी अधिग्रहण किया व उनके स्मारक के रूप में उसे लंदन तक में विकसित किया। भाजपा ने ही चौत्य भूमि को विकसित किया और प्रधानमंत्री मोदी वहाँ स्वयं प्रार्थना करने हेतु गए। भाजपा ने दिल्ली के 26, अलीपुर रोड को भी विकसित किया जहां बाबासाहेब ने अपना अंतिम समय व्यतीत किया था। देश विभाजन की जनक कांग्रेस के सामने बाबासाहेब प्रारंभ से ही अखंड भारत के पक्ष में थे। यह नेहरू जी को बहुत भयभीत करता था। नेहरू जी वे अंबेडकर जी की प्रतिभा को जानते थे अतः वे उन्हें सत्ता की दहलीज तक भी नहीं आने देना चाहते थे। अंबेडकर जी मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किए जा रहे गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना के पुरजोर विरोध में थे। अंबेडकर जी की पुस्तक "थॉट्स ऑन पाकिस्तान" में इसका पूरा विवरण है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि "मुस्लिम तुष्टिकरण" की नीति के चलते कांग्रेस ने देश का विभाजन कर डाला। बाबासाहेब का यह स्पष्ट मानना थर्ा।

कीटनाशकों से परे

संजय

परागणकर्ता और कीटनाशकजहर देने वाले बीज जहर देने वाले बीज मधुमक्खियों के लिए विषैले कीटनाशकों को हटाने तथा जैविक नीतियों और प्रथाओं को अपनाने की वकालत करना। एकत्रित अध्ययनों और डेटा से पता चला है कि मधुमक्खियाँ और अन्य परागणकर्ता, जैसे कि देशी मधुमक्खियाँ, तितलियाँ और पक्षी, कम होते जा रहे हैं। इस मुद्दे का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने कई कारकों की पहचान की है जो मधुमक्खियों की संख्या में कमी के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें कीटनाशक, परजीवी, अनुचित पोषण, तनाव और आवास का नुकसान शामिल हैं। (देखें कीटनाशकों से परे विज्ञान क्या दिखाता है।) नियोनिकोटिनोइड (नियोनिक) रासायनिक वर्ग के कीटनाशकों को बीज कोटिंग के रूप में उनके व्यापक उपयोग, मधुमक्खियों के लिए उच्च विषाक्तता, ष्प्रणालीगतष प्रकृति – नियोनिक रसायन पौधे की संवहनी प्रणाली के माध्यम से चलते हैं और पराग, अमृत और गटेशन बूंदों में व्यक्त होते हैं – और दृढ़ता के कारण प्रमुख संदिग्धों के रूप में चुना गया है। नियोनिकोटिनोइड्स मधुमक्खियों के लिए अत्यधिक विषैले होते हैं और, जबकि अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी इस तथ्य को स्वीकार करती है, मधुमक्खियों और अन्य परागणकों को इन कीटनाशकों से बचाने के लिए संघीय स्तर पर बहुत कम किया जा रहा है। नियोनिकोटिनोइड–लेपित बीज मकई, सोयाबीन और अन्य खाद्य फसलों के अधिकांश बीज जहरीले कीटनाशकों से लेपित होते हैं। विपणन किए जाने वाले कई बीज और फूल भी प्रणालीगत रसायनों से दूषित होते हैं। ये कीटनाशक पौधे के माध्यम से बीज से निकलते हैं, और मिट्टी के जीव विज्ञान और आसपास के जलमार्गों पर आक्रमण करते हैं, जिससे अंधाधुंध विषाक्तता और संदूषण होता है। नियोनिकोटिनोइड्स का उपयोग सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले बीज कोटिंग्स नियोनिकोटिनोइड कीटनाशक हैं। जबकि बीज कोटिंग्स इन कीटनाशकों के एक महत्वपूर्ण उपयोग का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें दानों, पत्तियों पर स्प्रे या पौधों की जड़ों के आसपास छिड़कने के माध्यम से भी लगाया जा सकता है। हर तरह के उपयोग के साथ, नियोनिक रसायन पौधों, उनके पराग, अमृत और रस की बूंदों में अपना रास्ता बनाते हैं, जिससे वे उन परागणकों के लिए जहरीले हो जाते हैं जो उन्हें खाते हैं। जब पक्षी, मधुमक्खियाँ, तितलियाँ और चमगादड़ दूषित खेतों में चारा तलाशते हैं तो उन्हें अंधाधुंध तरीके से जहर दिया जाता है। कोशिश नियोनिकोटिनोइड्स के खतरे सिस्टमिक नियोनिकोटिनोइड कीटनाशकों की शुरूआत के बाद से, मधुमक्खियाँ और जंगली, देशी परागणकर्ता दोनों ही लगातार विनाशकारी गिरावट का अनुभव कर रहे हैं।

नदियों के मिलन से बहेगी विकास की धारा

प्रमोद

मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रखी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। इसके बाद भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ मौजूदा चंबल–नहर प्रणाली का उद्धार किया जाएगा। ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं तो सिंचाई के लिए कृषि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरुआत केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से कर दी थी। ये परियोजनाएं जल–शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में इन नदी परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा–चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिये भेजा जाए। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन प्रोजेक्ट्स का विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी व विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा। नर्मदा और क्षिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। कालांतर राजनीतिक स्थितियां बदलीं तो परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य–प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन–बेतवा नदी जोड़ो योजना पर बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है। दुनिया के महासागरों, हिमखंडों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भंडार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोगी जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखंडों के पिघलने और वर्षा न होने के चलते जल स्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है जिसका मुख्य स्रोत नदियां और भू–जल हैं। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और गंदगी बहाना जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां बेहद प्रदूषित हो गई हैं। प्रस्तावित करीब 120 अरब डॉलर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ो परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्षिण जल क्षेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृष्णा, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पश्चिम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्षिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्षिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है। हिमालय क्षेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृष्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्षाजल इकट्ठा हो और उत्तर–प्रदेश, बिहार एवं असम को भयंकर बाढ़ से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्षेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंडक, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दामोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा। करीब 13,500 किमी लंबी ये नदियां भारत के संपूर्ण मैदानी क्षेत्रों में बहती हैं। वही 2528 लाख हेक्टेयर भूखंडों और वनप्रांतरों में प्रवाहित इन नदियों में प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है। कृषि योग्य 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत सिंचित होती है। नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा हो तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। इसलिए नदी जोड़ो परियोजनाओं को भविष्य के लिए लाभदायी माना जा रहा है।

डा0 अवनीश सिंह ने 300 से अधिक घुटनों का प्रत्यारोपण कर बनाया कीर्तिमान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यश हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर के प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा0 अवनीश कुमार सिंह ने जनपद में अब–तक 300 से अधिक घुटनों का प्रत्यारोपण कर नया कीर्तिमान बनाया है। उनके इस भारी–भरकम उपलब्धि से लोगों में हर्ष व्याप्त है। हड्डी रोग में महारथ हासिल करने वाले डा0 अवनीश सिंह के यहां वाराणसी एवं लखनऊ जैसे बड़े महानगरों से चेहरे पर मायूसी लेकर आने वाले मरीज भी ऑपरेशन के बाद मुस्कुराते हुए जाते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि कम समय में ज्यादा उपलब्धि हासिल करने वाले डा0 अवनीश मरीजों की सेवा करने में लगे हैं। उन्होंने एक ऐसे मरीज का प्रत्यारोपण किया है जिसे कई जनपद के चिकित्सक संतुष्ट नहीं कर पाए थे। अब वह पूरी तरह से ठीक होकर स्वास्थ लाभ ले रहा है। बताया जाता है कि सुल्तानपुर जिले की रजनी श्रीवास्तव उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी कुँवर बहादुर श्रीवास्तव घुटने से काफी परेशान थी। बीते छह वर्षों से वह दोनों पैरों से चल नहीं पा रही थी। सफल उपचार अथवा प्रत्यारोपण के लिए सुल्तानपुर के अलावा, भदोही, मीरजापुर, वाराणसी एवं राजधानी लखनऊ के नामी–गिरामी चिकित्सकों के पास गयी परन्तु कोई भी उन्हें संतुष्ट नहीं कर सका। इस दौरान वह पूरी तरह ऊब गयी और खुद की जिन्दगी बोझ जैसी लगने लगी। उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा था कि अब क्या करें। बाद में किसी के कहने पर जनपद के टीडी कालेज रोड मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कालेज के सामने स्थित यश हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर के जाने–माने हड्डी जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ डा0 अवनीश कुमार सिंह को दिखाया। पूरी तरह संतुष्ट हो जाने पर डाक्टर अवनीश द्वारा एक घुटने का प्रत्यारोपण कर दिया गया। कुछ दिन बाद प्रत्यारोपण वाला पैर जब पूरी तरह काम करने लगा और आराम संजीवनी बूटी जैसा दिखा तो उन्होंने 12 दिसम्बर को दूसरे घुटने का भी प्रत्यारोपण करा लिया। ठीक होने पर सप्ताहभर बाद अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गयी। अब वह पूरी तरह ठीक है। पूछे जाने पर कहा कि मेरा सुल्तानपुर से यहां आना सफल हो गया। ऐसे में डा0 अवनीश की कितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। वाराणसी एवं लखनऊ जैसे बड़े शहरों से वापस लौटने के बाद मुझे पूरी तरह से निराशा हो गयी थी लेकिन प्रत्यारोपण के बाद ऐसा लग रहा है कि वहां के मरीजों को भी यही आकर प्रत्यारोपण कराना चाहिए। डा0 अवनीश सिंह ने बताया कि आज कल घुटना का प्रत्यारोपण करना बहुत आसान है। घुटना खराब होने के बाद मरीज का चलना–फिरना बंद हो जाता है। प्रत्यारोपण न कराने पर बोन क्वालिटी खराब हो जाती है। ऐसे में समय रहते किसी अच्छे डाक्टर को दिखाए। क्योंकि इसका प्रत्यारोपण ही एकमात्र विकल्प है। 50 वर्ष के उपर कोई भी महिला या पुरूष प्रत्यारोपण करा सकता है।

वन्देमातरम के 150 वर्ष – श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल के लगभग 1800 बच्चों ने एक साथ गया वंदे मातरम गीत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शनिवार का दिन श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के बच्चों के लिए बहुत ही खास दिन साबित हुआ जब उनके बीच राष्ट्र सेविका समिति परिवार ने पहुंचकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन कराया। बच्चों ने सस्वर राष्ट्रगीत वंदे मातरम का भावपूर्ण गायन किया। राष्ट्र आराधना के इस सामूहिक वंदे मातरम गायन अभियान में राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका मूवी मिश्रा ने कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा स्वतंत्रता संग्राम की क्रांति का उद्घोष बना राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्ष को समारोह पूर्वक मनाये जाने के लिए सामूहिक गायन कराई जा रहे हैं , वंदे मातरम राष्ट्रीय चेतना का ऐसा गीत है जिसमें भारत भूमि को प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध और सामरिक वार्षिक रूप से उन्नत बनाने का संकल्प भाव समय है वंदे मातरम गीत अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम एवं समर्पण का स्वर संकल्प है जिसमें राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश समाहित है। इस मौके पर शनिवार का दिन होने के कारण श्री हनुमान चालीसा का पाठ भी बच्चों के द्वारा भावपूर्ण किया गया। राष्ट्रीय चेतना के इस अनुष्ठान में विद्यालय की प्रधानाचार्या भूमिका सिंह, लक्ष्मी देवी के अलावा शिक्षिकाएं अर्पिता सिंह, कविता गुप्ता, मंशा बाजपेई, सोनी तिवारी ,आरती वर्मा ,विनीता त्रिवेदी ,निकिता वर्मा ,ऐश्वर्या सिंह,सुहानी शुक्ला, कोमल यादव, शिक्षक राम प्रकाश पांडे, अशोक कुमार गुप्ता, उदय शुक्ला ,अभिनव सिंह, अमन शुक्ला ,संजय कुमार, संजय कुमार गुप्ता आदि सहित छात्र जिज्ञासा सिंह ,वैष्णवी गुप्ता, आयुषी, प्रीति द्विवेदी, तरुशी,शिवांगी वर्मा के अलावा राष्ट्र सेविका समिति की जिला संपर्क प्रमुख सीमा मिश्रा नगर कार्यवाहिका निधि शुक्ला, रश्मि गुप्ता आदि सहित लगभग 1800 बच्चों ने एक साथ सामूहिक राष्ट्रगान किया। आभार प्रदर्शन विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह ने किया।

घर घर पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति से लोगों में खुशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर के अहमद खां मंडी में पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति से छेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। इस कदम से क्षेत्रवासियों को रसोई गैस सिलेंडरों की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और उन्हें सस्ती और पर्यावरण–हितैषी ईंधन मिल सकेगा। इंडियन ऑयल अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस क्षेत्र में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है और घरों तक पाइपलाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इसके बाद ग्राहक अपने घरों में पीएनजी कनेक्शन ले सकेंगे। कंपनी ने बताया कि पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए ग्राहक कंपनी के कार्यालय या ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पीएनजी के लाभों की बात करें तो यह रसोई गैस सिलेंडरों की तुलना में काफी सस्ता है।

इसके अलावा, यह पर्यावरण के अनुकूल ईंधन है, जिससे प्रदूषण कम होता है। पीएनजी कनेक्शन लेने से ग्राहकों को समय और धन दोनों की बचत होगी। इंडियन ऑयल अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि वे ग्राहकों को पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विशेष ऑफर भी प्रदान करेंगे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि वे जल्द ही इस क्षेत्र में जागरूकता अभियान भी चलाएंगे, जिसमें लोगों को पीएनजी के फायदों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर बीजेपी नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, डॉ कमलेश निषाद ,इंडियन ऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड इंजीनियरों अभय गिरि. प्रबंधक (जीए प्रमुख), राम जयसवाल. उप प्रबंधक,अमृत मन्नू राज. विपणन प्रमुख, शशांक मिश्रा वरिष्ठ अभियंता, गौरव उपाध्याय. मार्केटिंग अधिकारी की मौजूदगी में कार्य किया गया।

जोश और उत्साह का साक्षी बना आर्मी पब्लिक स्कूल एस.पी.मार्ग का वार्षिक खेल दिवस कैवल्यम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आर्मी पब्लिक स्कूल, सरदार पटेल मार्ग लखनऊ ने अपना वार्षिक खेल दिवस शकैवल्यम्श 20 एवं 21 दिसंबर 2024 विद्यालय प्रांगण लखनऊ कैंट में मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल (रिटायर्ड) एम ए सिद्दीकी , डायरेक्टर (ॊ‑ ब) रहें ़ सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के स्वागत में विद्यालय के चारो सदनों के छात्रों तथा एन.सी.सी. कैडेट्स ने मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।

मशाल प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और बच्चों द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गयी। तत्पश्चात विभिन्न दौड़ों का आयोजन किया गया। कक्षा चौथी से आठवीं तक के बच्चों ने श्मास पी टी, हुला हूप और फ्लैग ड्लिश का एक संगीतमय स्पैक्ट्रम प्रस्तुत किया तथा तन और मन के संतुलन हेतु विभिन्न आसनों एवं नृत्य के संयोजित रूप से दिव्य योग का प्रदर्शन भी हुआ। श्जिमनास्टिकश के प्रदर्शन में छात्रों के अद्भुत समन्वय, संतुलन ,चपलता, शक्ति और समर्पण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के वर्तमान तथा पूर्व छात्रों द्वारा 'टग ऑफ वार' प्रस्तुत किया गया जिससे विद्यालय की पुरानी यादें एक बार फिर ताजा हो गईं।

एक ओर श्जुम्बा फिएस्टाश तथा ग्रैंड फिनाले ने दर्शकों को आनंदित किया तो दूसरी ओर वीरता, साहस और खेल की भावना का प्रतीक शुभांकर श्शूराश संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने AWES मध्य कमान में कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्कृष्ट परिणाम के लिए विद्यालय की प्राचार्या सीमा तारा के साथ स्कूल के दसवीं के शिक्षकों को अकादमिक उत्कृष्टता ट्रॉफी से सम्मानित किया तथा आयोजन के प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने ऊर्जा और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए छात्रों और कर्मचारियों की सराहना की तथा उप –प्राचार्या, अर्चना श्रीवास्तव ने अतिथियों को उनकी उपस्थिति और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

जादू के माध्यम से समाज में हो रही है बुराइयों व कुरीतियों के बारे में लोगों जागरूक करेंगे जादूगर जितेंद्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के रुहट्टा स्थित शाश्वत उत्सव वाटिका में पत्रकारों से बात करते हुए कि जादूगर जितेंद्र बाजपेई और कुमार ने बताया कि जादूगर जादू के माध्यम से समाज में हो रही है बुराइयों व कुरीतियों के बारे में जागरूक करने के लिए जादूगर जे कुमार अपने जादुई करिश्मों के साथ जौनपुर में पहली बार नगर के रुहट्टा स्थित शाश्वत उत्सव वाटिका में 22 दिसम्बर से शुरू कर रहे है। जादूगर जितेंद्र बाजपेयी ने बताया कि दुनिया से अंधविश्वास एंव सामाजिक कुरीतियों, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा एंव बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त अभियान, जल ही जीवन है, को दूर करने और स्वस्थ मनोरंजन देने के लिए कृत संकल्पित है। उनका सबसे बड़ा सपना है कि जिस भारत देश की प्रचीनतम जादू कला कभी शिखर पर थी फिर से शिखर पर पहुंच जाए और भारत दुनिया का सबसे बड़ा जादूगर देश बन जाये, कहा जाए तो जादू को प्राम्भिक शिक्षा में शामिल कर देना चाहिए। ताकि जादू की बारीकियों को जानकर बच्चों के मन में बैठा जादू – टोना का भय समाप्त हो जाएगा। जादुई चमत्कार 22 दिसम्बर को दोपहर 12.30 बजे नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य द्वारा उदघाटन किया जाएगा।

अनुराग श्रीवास्तव अभाकाम के कार्यकारी जिलाअध्यक्ष घोषित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय का महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव ने प्रदेश कार्य समिति से अनुमोदन के उपरांत अखिल भारतीय का महासभा की कार्यकारी जिला अध्यक्ष के रूप में अनुराग श्रीवास्तव को नियुक्त किया है। इस मामले में जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री श्यामचंद श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद की इकाई को और मजबूत करने के लिए ऊर्जावान नवयुवक को अध्यक्ष बनाया है जिससे कि जिले की टीम को और मजबूत किया जा सके। विदित होगी अनुराग श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव के पुत्र हैं। उनके इस मनोनयन पर के समाज के तमाम लोगों ने साथ ही प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव सभासद मनीष श्रीवास्तव ,राकेश श्रीवास्तव।, इंजीनियर अमित श्रीवास्तव श्रीकांत श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पत्रकार पंकज श्रीवास्तव हैप्पी रवि श्रीवास्तव एडवोकेट अंकित श्रीवास्तव पत्रकार प्रदीप अस्थाना प्रदीप श्रीवास्तव डीओ श्यामल कांत श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव नलनीश श्रीवास्तव ,सौरभ श्रीवास्तव आदि संकड़ों लोगो ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाये - मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शनिवार को तहसील सवायजपुर में आयोजित तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने लोगों की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाये। भूमि को तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाये। पैमाइश के प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। भूमि विवाद के मामले में राजस्व व पुलिस विभाग की टीमें मौके पर जाकर समाधान करें। वरासत व अंश निर्धारण के प्रकरणों का तेजी से निस्तारण कराया जाये। चकमार्ग पर अवैध निर्माण को तत्काल हटाया जाये। कब्जा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये। एक गाँव में चकमार्ग पर कब्जे की शिकायत पर सच्चाई जानने के लिए जिलाधिकारी ने तत्काल लेखपाल को मौके पर जाकर वीडियो व फोटो भेजने के निर्देश दिए। हाड़ा दगेला गाँव के अवैध कब्जे के एक मामले में लेखपाल द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर लेखपाल को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए तथा पुलिस टीम के साथ जाकर खेत से तत्काल कब्जा हटाने के निर्देश दिए। कीर्तियापुर में बारात घर की जमीन पर कब्जा हटाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। दिव्यांगजन कल्याण विभाग को निर्देश दिया दिव्यांग पेंशन के पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाया जाये। जिला प्रोबशन अधिकारी को निर्देश दिया कि विधवा पेंशन सम्बन्धी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया जाये। लोक निर्माण विभाग को उन्होंने निर्देश दिया कि दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के सड़कों की मरम्मत कार्य में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। खण्ड विकास अधिकारियों को जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब न किया जाये। सर्पदंश के से मृत्यु के मामले में उन्होंने पात्रता की जाँच कर नियमानुसार कृषक दुर्घटना बीमा योजना से मृतक के परिवार को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि विवाद के मामले में पुलिस टीम तत्काल मौके पर जाये। भूमि विवाद की स्थिति में राजस्व टीम के साथ जाकर कार्रवाई की जाये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार, उप जिलाधिकारी संजय अग्रहरि, उप जिलाधिकारी माधव उपाध्याय व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक निस्तारण करें अधिकारी – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन के साथ ही ''सुशासन सप्ताह'' (गुडगर्वनेंस वीक) प्रशासन गांव की ओर का आयोजन किया गया।इस मौके पर जिलाधिकारी ने कम्बल और खतौनी का वितरण किया। शासन के निर्देश के क्रम मे पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलब्ध में लोक शिकायतों के निस्तारण एंव सेवा वितरण में सुधार के उददेश्य से 19 से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में तहसील केराकत के सभागार में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन के साथ ही ''सुशासन सप्ताह'' (गुडगर्वनेंस वीक) प्रशासन गांव की ओर का आयोजन किया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सुशासन सप्ताह मनाने का उददेश्य है गांव स्तर पर भी शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना तथा लोक शिकायतों का निस्तारण करते हुए आनलाईन सर्विस डिलीवरी तथा सुशासन के क्षेत्र में नवाचार लाना जिससे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की सुशासन की संकल्पना को साकार किया जा सके। इस दौरान उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्व तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें ।

इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि आईजीआरएस के शिकायतों के सन्दर्भ में मौके पर जाकर निस्तारण कराये और मौके पर उपस्थित लोगो का हस्ताक्षर और फोटो भी अवश्य लें और शिकायतकर्ता का फीडबैक भी अवश्य लें। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 215 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 17 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गरीब असहायो को कम्बल वितरित किया साथ ही खतौनी वितरित करते हुए निर्देश दिया कि मृतको के उत्तराधिकार का नाम वरासत में अवश्य दर्ज करा दिया जाये। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में बन रहे अनावासीय भवन के प्रगति कार्य का निरीक्षण किया और निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि की भीतर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो निर्माण सामाग्री का प्रयोग किया जाए वे उच्च गुणवत्ता तथा मानक के अनुरुप होने चाहिए।

वही तहसील बदलापुर में अपर जिलाधिकारी विध्रा0 रामअक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जनपद के समस्त तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन हुआ तथा सुशासन सप्ताह को मनाया गया तथा शिकायतकताओं की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में एक गो तस्कर गिरफ्तारी एक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर और सुजानगंज की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप शुक्रवार रात हुई मुठभेड़ में पशु तस्कर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में पशु तस्कर के पैर में गोली लगी। उसका दूसरा साथी फरार है। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से देशी तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराकर उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही में जुट गई। इस मामले में शनिवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मछलीशहर विवेक सिंह ने बताया थाना मछलीशहर व थाना सुजानगंज की संयुक्त टीम द्वारा आपस में सर्किल क्षेत्र में घटित गोतस्करी के अपराध की रोकथाम के लिए चेकिंग की जा रही थी कि सुजानगंज रोड पर पराहित गेट के पास चेकिंग के दौरान दो बादमाश सुजानगंज की तरफ से आते हुए दिखायी दिये जिसे पुलिस टीम के द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो सवार चालक मोटर साइकिल मोडकर पुनः सुजानगंज की तरफ भागने लगे थानाध्यक्ष मछलीशहर व टीम द्वारा बदमाश का पीछा करते हुए मुस्तफाबाद पहुचे थे तभी कन्ट्रोल रुम की सूचना पर थानाध्यक्ष सुजानगंज भी आ गए बाइक सवार बदमाश पुलिस वालो से घिरता हुआ देखकर मोटर साइकिल सवार मोडकर भागने लगे बदमाशो के द्वारा पुलिस कर्मियो को जान से मारने की नीयत से फायर किया गया जिसमे एक गोली थानाध्यक्ष मछलीशहर के वुलेट प्रूफ जैकेट के सीने की बायी तरफ लगी। पुलिस टीम द्वारा बदमाशो को आत्मसमर्पण करने हेतु बोले किन्तु नही माने जिस पर आत्मरक्षार्थ थानाध्यक्ष मछलीशहर के द्वारा सर्विस पिस्टल से एक राउण्ड फायर किया गया। फायर के उपरान्त बदमाशो की तरफ से गोली चलना बन्द हो गया। मौके से पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर लिया ।जबकि दुसरा ब्यक्ति अन्धेरे का लाभ लेकर भाग गया जिसकी तलाश हेतु पुलिस टीम को भेजा गया। मौके से घायल बदमाश आरिफ पुत्र मैनुद्दीन नि0 लमहन थाना महराजगंज जनपद जौनपुर जो एक गोतस्कर है। घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी मछलीशहर जौनपुर भेजा गया। सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।वही उसका दूसरा साथी सूफियाना पुत्र मैनुद्दीन निवासी लमहन थाना महराजगंज फरार है ।जिसकी तलाश की जा रही है।

जबरन बनाया गया हिंदू एसपी और हिंदू नेता पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सीतापुर जिले के अटरिया के गढ़ी रावा निवासी फतेहउद्दीन हिंदू धर्म अपनाने के चार दिन बाद ही बैकफुट पर आ गए। बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने एक वीडियो जारी कर एसपी सीतापुर व हिंदूवादी संगठन के नेता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दबाव में आकर हिंदू धर्म अपनाने की बात कही। बता दें कि फतेहउद्दीन पर लखनऊ व सीतापुर में 10 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें पॉक्सो एक्ट, ध ोखाधड़ी, दहेज प्रताड़ना संग अन्य आपराधिक मामले शामिल हैं। फतेहउद्दीन ने 16 दिसंबर को हिंदू धर्म अपनाया था। उन्होंने अपना नाम बदलकर फतेह बहादुर रख लिया था। उनका कहा था कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से आहत होकर धर्म बदला है। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय में एक शपथपत्र भी जमा कराया था। वहीं, वीडियो जारी कर हिंदू धर्म खुशी–खुशी अपनाने की बात कही थी। अब फतेहउद्दीन ने वीडियो में आरोप लगाया है कि एसपी सीतापुर को एक मामले में 14 दिसंबर को एडीजी जोन के पीआरओ से फोन कराया था। इसके बाद वह 16 दिसंबर को सुबह साढ़े दस बजे एसपी से मिलने गए। आरोप लगाया कि जब उसी दिन दोपहर 12 बजे एसपी कार्यालय पहुंचे तो उनके कार्यालय में चार सीओ, तीन दरोगा, एक सिपाही व पीआरओ मौजूद रहे। आरोप लगाया कि एसपी ने उनका मोबाइल कस्टडी में ले लिया। इसके बाद अवैध असलहे मंगवाकर जेल भेजने की धमकी दी। फतेहउद्दीन ने एसपी पर मारपीट व अन्य कई गंभीर आरोप लगाए। यह भी आरोप लगाया कि इसके बाद हिंदूवादी संगठन के नेता को बुलाकर शहर स्थित एक मकान के एक कमरे में बंद कर दिया। यह भी आरोप लगाया कि जबरन उनका धर्म परिवर्तन कराया गया। वीडियो में फतेहउद्दीन यह भी कहते नजर आ रहे हैं कि मुंडन के पूर्व उन्होंने एसपी को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की बात कही थी। इसके बाद भी धर्म परिवर्तन कराया गया। हिंदूवादी संगठन के नेता विकास हिंदू ने बताया कि फतेहउद्दीन ने स्वेच्छा से हिंदू धर्म अपनाया था। कोई जबरदस्ती नहीं की गई थी। वह सरकारी सुरक्षा दिलाने की बात कह रहे थे। मैंने उन्हें बताया कि यह मेरा काम नहीं है। मैं आपको सरकारी सुरक्षा नहीं दिलवा सकता हूं। बताया कि चूंकि उन पर कई गंभीर आपराधिक मुकदमे हैं तो उन्हें सरकारी सुरक्षा नहीं मिल पा रही थी। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि फतेहउद्दीन ने जो आरोप लगाए हैं, वे सब निराधार हैं। उन्होंने स्वेच्छा से अपना धर्म परिवर्तन किया। इस संबंध में डीएम कार्यालय में शपथपत्र भी दिया। सूत्रों के मुताबिक फतेहउद्दीन पर वर्ष 2016 में लखनऊ के हसनगंज थाने में जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज हुआ था। इसके बाद 2017 में हसनगंज में दहेज प्रताड़ना, 2019 में मड़ियांव थाने में जान से मारने की धमकी देने व पॉक्सो एक्ट के दो अलग–अलग मुकदमे दर्ज हुए थे। इसके बाद वर्ष 2020 में सीतापुर के अटरिया थाने में गाली–गलौज व जान से मारने की धमकी देने, 2021 में लखनऊ के मड़ियांव थाने में दो मुकदमे, 2022 में मड़ियांव में एक मुकदमा व 2023 में वजीरगंज थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज है। इसी वजह से उन्हें सरकारी सुरक्षा मिलने में दिक्कत आ रही थी।

लगाई गई नए पुजारियों की ड्यूटी स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक, ड्रेस कोड भी होगा लागू

लखनऊ,(संवाददाता)। राम मंदिर में नए पुजारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। पुजारियों के लिए कई कठिन नियम भी बनाए गए हैं। इसी क्रम में पुजारियों के लिए राम मंदिर में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। जल्द ही पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने की तैयारी है। राम मंदिर में अभी 14 पुजारी ड्यूटी दे रहे हैं। राम मंदिर समेत कुबेर टीला व हनुमान मंदिर में पूजन के लिए पुजारियों को सात–सात के दो ग्रुप में बांटा गया है। दो अलग–अलग पालियों में इनकी ड्यूटी भी लगाई जा रही है। चार पुजारी गर्भगृह में तो तीन पुजारियों की ड्यूटी गर्भगृह के बाहर लगाई गई है। अब पुजारी मंदिर में फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इसमें पीली चौबंदी, धोती, कुर्ता व सिर पर पीले रंग की ही पगड़ी शामिल होगी। भगवा रंग का ड्रेस भी शामिल किया जाएगा। जल्द ही पुजारियों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण भी शुरू करने की तैयारी है। रामजन्मभूमि परिसर में कुल 19 मंदिर बन रहे हैं, इसलिए पुजारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। नर्मदा बचाओ आंदोलन की संस्थापक सदस्य व सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने कहा कि सभी के अंदर राम हैं फिर राम के दर्शन के लिए इतनी पाबंदी क्यों हैं। अयोध्या का भ्रमण करने बाद यही लगा कि यहां के मंदिर अब होटल के रूप में बदल रहे हैं। जहां जाने के लिए पैसों का होना जरूरी है। सिविल लाइन स्थित प्रेस क्लब में बृहस्पतिवार को आयोजित काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर शहादत दिवस समारोह में मेधा पाटकर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी बात रख रही थीं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में यह कैसा विकास जहां दो वक्त की रोटी के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में जिनकी जमीन गई उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला। कहा कि इंसाफ की लड़ाई में हर युवाओं को आगे आने की जरूरत है। संभल हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि धार्मिक यात्राएं दिन की बजाय रात में निकाली जाती है और बेवजह हिंसा को जन्म दिया जाता है। काकोरी एक्शन के शहीदों के योगदान को याद नहीं किया जा रहा है। फैजाबाद की धरती पर भी आजादी की लड़ाई के लिए शहीदों ने संघर्ष किया लेकिन, उनके योगदान को भुला दिया गया। आज भी गंगा, यमुना व सरयू जैसी नदियों को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उर्दू कवि और सामाजिक कार्यकर्ता गौहर रजा ने कहा कि बेहतर समाज और मुल्क का ख्वाब देखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और रोशन सिंह की तरह सैकड़ों शहीदों ने बेहतर मुल्क और समाज बनाने के लिए ख्वाब देख और संघर्ष किया।

कन्या भ्रूण हत्या तक कराते हैं शिकायत पर मामला कर देते रफा–दफा

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में श्रावस्ती और उन्नाव के बाद अब भदोही के मुख्य चिकित्सा अधिकारी पर गंभीर आरोप लगे हैं। सीएमओ के मातहत अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विवेक कुमार श्रीवास्तव ने आरोप लगाया है कि उनके जिले में लिंग परीक्षण और भ्रूण हत्या कराई जा रही है। कहा कि विभागीय अधिकारी जांच कर रिपोर्ट सौंपते हैं तो सीएमओ इस तरह का काम करने वाले लोगों से मिलकर मामले को रफा दफा कर देते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी तमाम ऐसे चिकित्सकों को भी हार मान वेतन भुगतान कर रहे हैं, जो कभी अस्पताल आते ही नहीं हैं। इस संबंध में डॉक्टर विवेक कुमार श्रीवास्तव ने एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित कई भाजपा नेताओं को टैग कर चलाया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एसके चक का पक्ष जानने के लिए कॉल किया गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

महिला खनन अधिकारी पर हमला करने के चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में इमलिया सुल्तानपुर थाने की पुलिस ने महिला खनन अधिकारी पर हमले के आरोपी अरिजीत शुक्ला के बाबा हिस्ट्रीशीटर रामकुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। इसके साथ उनके भाई अर्पित शुक्ला, चचेरे भाई शैलेश शुक्ला व लोकेश शुक्ला को भी गिरफ्तार किया गया है। रामकुमार शुक्ला पर 19 गम्भीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि यह अंतर्जनपदीय अपराध ी हैं। जिनके विरुद्ध हत्या, बलवा, धोखाधड़ी, डकैती, चोरी, छेड़छाड़ व अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बताया कि बीती 23 सितम्बर को उदयपुर कोरैया गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान विवाद किया था। यह सभी चार माह से वांछित थे। रामकुमार शुक्ला पर 19 मुकदमे, अर्पित शुक्ला 3 मुकदमे, शैलेश पर 1 मुकदमा और लोकेश पर एक मुकदमा दर्ज है।

पुलिस मुठभेड़ में हत्थे चढ़ा पशु तस्कर, अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हुआ साथी

लखनऊ,(संवाददाता)। जौनपुर जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र के रामनगर बाजार के पास बृहस्पतिवार की रात पुलिस मुठभेड़ में कई मुकदमे का वांछित व पशु तस्कर घायल हो गया। वहीं उसका साथी पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब हो गया। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि जनपद के दरबसपुर, जलालपुर थाना क्षेत्र निवासी शुभम सिंह पुत्र महेंद्र सिंह के साथी के साथ किसी बड़े अपराध की घटना को अंजाम देने के लिए क्षेत्र के रामनगर कटघर से सुइथाकलां की तरफ जाने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस अपराधी को पकड़ने के लिए उक्त मोड़ पर पहुंचे ही थे तभी सामने से बाइक से आते हुए दो लोग दिखे। उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देख बदमाश भागने का प्रयास करने लगे। इसके बाद खुद को पुलिस से घिरता देख फायरिंग करने लगे। बचाव में थानाध्यक्ष सरपतहां के जवाबी फायरिंग में बदमाश शुभम के पैर में गोली लगी, जिससे घायल हो गया। वहीं मौके का फायदा उठाकर दूसरा साथी भागने में कामयाब हो गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक तमंचा कारतूस व बाइक को कब्जे में लेकर घायल को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुइथाकलां में भर्ती कराया।

3.30 घंटे राम नगरी में रहेंगे सीएम योगी, रामलला के दर्शन के बाद जाचेंगे मंदिर निर्माण की गति

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या आएंगे। सीएम योगी यहां पर 3.30 घंटे रहेंगे। इस दौरान दर्शन–पूजन करने के साथ धार्मिक आयोजन में शामिल होंगे। हेलीपैड पर

प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भाजपा पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उनकी अगवानी करेंगे। सीएम योगी का आगमन सुबह 11.10 बजे रामकथा पार्क हेलीपैड पर होगा। यहां से वे सड़क मार्ग से हनुमानगढ़ी के लिए रवाना होंगे। 11.20 बजे हनुमंत लला के दरबार में श्रद्धा निवेदित करने के बाद श्रीरामजन्मभूमि के लिए रवाना होंगे। 11.35 बजे राम मंदिर में रामलला के दर्शन–पूजन के साथ आरती करेंगे। दर्शन के बाद सीएम की ओर से श्रीरामजन्मभूमि परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति भी परखी जा सकती है। यहां पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री की अगवानी की जाएगी।

खुद पर चोरी के आरोप लगने से गुस्साए बिजली कर्मी ऊर्जा मंत्री ने कहा था नाक के नीचे से होती है चोरी

लखनऊ,(संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने बृहस्पतिवार को निजीकरण के विरोध ा में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया। शाम को शहीदों के सपनों का भारत बनाओ – बिजली का निजीकरण हटाओ' नारे के साथ सभाएं हुईं। लखनऊ में हुई सभा में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा पर निशाना साधा। विधानसभा में उनके द्वारा कार्मिकों पर बिजली चोरी कराने संबंधी बयान देने की निंदा की गई। कार्मिकों ने कहा कि यदि ऊर्जा मंत्री खुद विफलता मान लिए हैं तो पद छोड़ें। निगमों के कार्मिकों पर आरोप लगाकर वह खुद को स्वच्छ साबित नहीं कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश एवं चंडीगढ़ में बिजली के निजीकरण को लेकर बृहस्पतिवार को पूरे देश में बिजली कर्मियों ने विरोध जताया। लखनऊ के फील्ड हास्टल में हुई बैठक में निगमों के निजीकरण के विरोध में आक्रोश जताया गया। चेतावनी दी गई कि बिजली के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही की गई तो उसी समय बिना और कोई नोटिस दिए देशभर के बिजली कर्मचारी आंदोलन शुरू करने हेतु बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार और पावर कारपोरेशन प्रबन्धन की होगी। इस दौरान नाट्य प्रस्तुति के जरिए बिजली की आम आदमी की जीवन में उपयोगिता प्रस्तुत की गई। काकोरी क्रांति के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर राजीव सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय,सुहैल आबिद, पीकेदीक्षित, राजेंद्र घिल्डियाल, चंद्र भूषण उपाध्याय आदि मौजूद रहे। में चोरियां हो रही हैं। प्रदेश को अगर 24 घंटे बिजली देनी है, विकास के पथ पर चलना है तो व्यवस्था का निजीकरण जरूरी है। नोएडा और आगरा में इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन से जुड़े अभियंताओं व अन्य कार्मिकों की शुक्रवार को बैठक होगी। इसमें निजीकरण के मुद्दे पर अगली रणनीति तैयार की जाएगी। एसोसिएशन की फील्ड हॉस्टल में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में अब तक चली गतिविधियों की समीक्षा की गई। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के विधानसभा में दिए गए बयान पर चिंता व्यक्त की गई। दलित और पिछड़े वर्ग के अभियंताओं को लक्ष्य बनाकर खराब स्थिति वाले क्षेत्र में तैनात किए जाने पर भी विरोध जताया गया। तय किया गया कि शुक्रवार को पूरे प्रदेश के एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे। इसमें आंदोलन की अगली रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में एसोसिएशन के कार्यवाहक अध यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, आरपी केन, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, अजय कुमार, आदि मौजूद रहे। प्रदेश में दो साल के लिए तय की गई पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) में पूर्वांचल और दक्षिणांचल की खरीद दर सबसे सस्ती रखी गई है। ऐसे में इन दोनों निगमों को तोड़कर प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत जिन पांच कंपनियों को टेंडर मिलेगा, उन्हें सर्वाधिक फायदा होगा। नए मसौदे में लिखा गया है कि पहले से तय पीपीए दो साल तक नई कंपनियों पर लागू होगा। नियामक आयोग की ओर से वर्ष 2024 –25 के लिए सभी विद्युत वितरण निगमों के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) तय किया गया है। इसी दर पर निगम बिजली खरीद करेंगे। बल्क सप्लाई टैरिफ (बीएसटी) की दरों में पूर्वांचल को 5.21 रुपया प्रति यूनिट की दर से 17652 करोड़ की बिजली खरीदेगा। इसी तरह दक्षिणांचल 5.45 रुपया प्रति यूनिट की दर से 15910 करोड, पश्चिमांचल 5.65 प्रति यूनिट की दर से 24357 करोड की, मध्यांचल 5.40 रुपये प्रति यूनिट की दर से 16435 करोड की बिजली खरीदेगा। कानपुर की केस्को 6.51 रुपये प्रति यूनिट की दर से 2959 करोड की बिजली खरीदेगा। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का आरोप है कि कॉरपोरेशन प्रबंधन और एंपावर्ड कमेटी ने पीपीपी मॉडल के प्रस्ताव में निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया है। मसौदे में साफ लिखा है कि पीपीपी मॉडल के तहत बनने वाली पांच बिजली कंपनियों के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) का अलॉटमेंट दो साल के लिए जस का तस रहेगा। ऐसे में ये पीपीपी मॉडल की पांचों कंपनियां जहां 9061 करोड़ का अनुदान पाएंगी वहीं खरीद दर भी उनकी सस्ती रहेगी। उन्होंने मांग की कि पीपीपी मॉडल का प्रस्ताव निरस्त किया जाए।

आ गई हाड़ कंपाने वाली ठंड, 25 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश का मौसम फिर से बदलने वाला है। शनिवार के बाद पुरवाई थमने और पछुआ चलने से पारा गिरेगा और सर्दी बढ़ेगी। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने यूपी के 25 से ज्यादा जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। वहीं बृहस्पतिवार को भी यूपी के तराई इलाकों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिला। दिन व रात के तापमान में कहीं मामूली गिरावट तो कहीं स्थिरता रही। घने कोहरे की वजह से बृहस्पतिवार को अमेठी और कुशीनगर में दृश्यता 200 मीटर तो वहीं अलीगढ़, मेरठ व बनारस में 300 मीटर तक सिमट गई। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार व शनिवार को यूपी के मौसम में कोई खास बदलाव नहीं आने वाला है। दिन व रात का तापमान लगभग स्थिर रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के गुजर जाने के असर से शनिवार के बाद पुरवाई थमेगी और उत्तरी पश्चिमी हवाएं चलेंगी। इससे फिर से तापमान में गिरावट आनी शुरू होगी और कोहरा छंटेगा। रविवार से सर्दी बढ़ेगी। बृहस्पतिवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान की बात करें तो बहराइच में सर्वाधिक 26.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। प्रयागराज में 26 डिग्री और गोरखपुर में 25.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास के इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी है।

जल निगम–पीडब्ल्यूडी के एई को नोटिस कहा– जल्द हो दालमंडी की सड़क का काम

लखनऊ,(संवाददाता)। कमिश्नर कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में जिले में निर्माणाधीन छह सड़कों की समीक्षा बैठक हुई। सड़कों का निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर जल निगम के एई और पीडब्ल्यूडी के एई को नोटिस जारी किया गया है। कमिश्नर ने दालमंडी के सड़क के चौड़ीकरण का कार्य शीघ्रता से पूरा कराने के भी निर्देश दिए। समीक्षा में बीएचयू–लहरतारा मार्ग के चौड़ीकरण में भिखारीपुर तिराहे से बीएचयू गेट तक जल निगम के पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम नहीं हुआ। इससे निर्माण कार्य बाधित हो रहा था, इस पर जल निगम के एई और चौड़ीकरण का काम अपेक्षित न मिलने पर पीडब्ल्यूडी के एई को नोटिस जारी किया गया। कमिश्नर ने पांडेयपुर चौराहे के सुंदरीकरण के लिए इंटरलॉकिंग, फुटपाथ और फसाड लाइट लगवाने के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया। सड़कों के ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर टैप करने, नए बनाए जा रहे नालों का एंड टू एंड प्लान बनाने को कहा। बनारस–भदोही चौड़ीकरण में पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता ने बताया कि पचास–पचास मीटर पर कुछ जगहों पर कार्य बचा है। जिसे जल्द पूर्ण करा लिया जाएगा। मंडलायुक्त ने उक्त सड़क को हर हाल में 31 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। जगह–जगह साइनेज लगवाने, नाले और सीवरेज के संबंध में कार्ययोजना बनाने को कहा। निर्माणाधीन सड़कों के डिवाइडरों पर पौधरोपण के निर्देश दिए। कैंट से मोहनसराय मार्ग में अपेक्षित प्रगति ना मिलने पर मुख्य अभियंता को एई के खिलाफ चार्ज शीट बनाने, अधिशासी अभियंता को नोटिस समेत ठेकेदार को भी नोटिस जारी करने करने के निर्देश दिए। 31 दिसंबर तक कार्य पूरा नहीं हुआ तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। बैठक में डीएम एस राजलिंगम, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, एसडीएम (सदर) सार्थक अग्रवाल, एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा मौजूद रहे।

अप्रैल से अक्तूबर तक मिला 78 करोड़ का दान, 105 करोड़ ब्याज में मिले

लखनऊ,(संवाददाता)। रामलला को हर माह विभिन्न माध यमों से करोड़ों का दान प्राप्त हो रहा है। इस साल अप्रैल से अक्तूबर तक रामलला को 78 करोड़ का दान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा 105 करोड़ रुपये ब्याज से मिले हैं। ऐसे में पिछले सात माह में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लगभग 183 करोड़ की आय हुई है। रामलला के दरबार में रोजाना 70 से 80 हजार श्रद्धालु हाजिरी लगा रहे हैं। वीकेंड पर यह संख्या दो गुना व त्योहारों पर तीन गुना हो जाती है। राममंदिर ट्रस्ट को हर माह करीब 10 करोड़ का दान प्राप्त हो रहा है। रामलला की हुंडी यानी दानपात्र में आने वाले चढ़ावा के अतिरिक्त भक्त दान काउंटर पर भी निधि समर्पित करते हैं। इसके अलावा आरटीजीएस, चेक व ऑनलाइन माध्यम से भी दान प्राप्त होता है। रामलला की हुंडी यानी दानपात्र में पिछले सात महीने में 55 करोड़ की धनराशि भक्तों ने अर्पित की है। वहीं विदेशी रामभक्त भी दान दे रहे हैं। रामलला को अब तक लगभग 11 करोड़ विदेशी दान प्राप्त हो चुका है। रामलला को निधि समर्पण के साथ–साथ श्रद्धालु बड़ी मात्रा में सोना–चांदी भी अर्पित करते हैं। पिछले चार साल के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। पिछले चार वर्षों में रामलला को 940 किलो चांदी दान में मिल चुकी है। वहीं पिछले वित्तीय वर्ष यानी मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक रामलला को 20 किलो सोना दान में मिला था। जबकि इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्तूबर तक रामलला को 7६ 29 किलो सोना व 170 किलो चांदी भक्त अर्पित कर चुके हैं। भारत सरकार की संस्था सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को सोना–चांदी की गुणवत्ता परखने का काम सौंपा गया है। हैदराबाद में सोना–चांदी की गुणवत्ता परखने का काम चल रहा है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से रामजन्मभूमि परिसर का लगातार विस्तार भी किया जा रहा है। इसी क्रम में अगस्त से अक्तूबर तक राममंदिर ट्रस्ट ने दो एकड़ से अधिक जमीन 29६ 37 करोड़ रुपये में खरीदी है। पिछले चार सालों में ट्रस्ट लगभग 37 एकड़ जमीन खरीद चुका है। ट्रस्ट ने इसके लिए 328 करोड़ से अधिक खर्च किए हैं। ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अगस्त से अक्तूबर के बीच ट्रस्ट ने आधा दर्जन से अधिक जमीनों की रजिस्ट्री कराई है। इसके तहत स्वामी बलदेव दास से 13526 वर्ग फीट जमीन 3६ 40 करोड़ में खरीदी गई। इसी तरह आनंद भवन की 21206 वर्ग फीट जमीन छह करोड़ में खरीदी गई है। वहीं रंग जी मंदिर की 511६ 29 वर्ग फीट जमीन जमीन 30 लाख में ट्रस्ट ने क्रय किया है। इसी तरह बाग बिजेसी में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 12765 वर्ग फीट जमीन 1६ 95 करोड़ में खरीदा है। इसके अलाव कुछ और जमीनें ट्रस्ट की ओर खरीदी गई हैं।

दीक्षांत में पहले दिन मेडल- उपाधि पाकर खिल उठे छात्रों के चेहरे

लखनऊ,(संवाददाता)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ शुक्रवार को दीक्षांत समारोह के दौरान मेडल और उपाधि पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। 20–21 दिसंबर को आयोजित दीक्षांत समारोह में कुल 44 कोर्स में 46 मेधावियों में स्वर्ण पदक दिया जाना है। इसमें यूजी में आठ और पीजी में 38 मेधावी शामिल हैं। स्वर्ण पदक पाने वालों में 28 छात्र और 18 छात्राएं हैं। ऐसा पहली बार है जब एक ही सत्र में दो बार दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले 25 सितंबर को मुख्य दीक्षांत समारोह हो चुका है। विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर के अलावा संबद्ध महाविद्यालयों के स्नातक भी शामिल हुए। सुबह 11 बजे से समारोह की शुरुआत हुई। पहले दिन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय सहित कई विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रो. दुर्ग सिंह चौहान रहे। 21 दिसंबर को नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय मुख्य अतिथि होंगे। अध यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी करेंगे। समारोह में स्नातक के आठ पाठ्यक्रमों में आठ स्वर्ण पदक (7 छात्रा एवं 1 छात्र) प्रदान किए गए। जबकि स्नातकोत्तर के 36 पाठ्यक्रमों में 38 स्वर्ण पदक (27 छात्र और 11 छात्र) दिए गए। इसमें एमए (आईआरपीएम) और एमएससी (जीव विज्ञान) में दो विद्यार्थी के समान सीजीपीए होने से दो–दो स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। टॉप टेन में शामिल विद्यार्थियों को शुक्रवार को दोपहर बाद पंत प्रशासनिक भवन के काउंटर से उपाधि मिली। आयुशी श्रीवास्तव (एलएलबी), आकांक्षा शुक्ला (बीए), शिवांगी गुप्ता (बीएससी), अंजली यादव (बीएससी कृषि), एकता सिंह (बीएससी टेक्सटाइल एंड हैंडलूम साइंस), सरिता शर्मा (बीएफए), सुलेखा कुमारी (बीपीएड) और अभ्युदय सिंह (बीलिब आईएससी) अंजू वर्मा (एमए हिंदी), शीतल राय (एमए अंग्रेजी), आंचल (एमए संस्कृत), शहाना बीबी (एमए उर्दू), दिशा सिंह (एमए दर्शनशास्त्र), संध्या पटेल (एमए इतिहास – आईएचसी), आयशा (मध्यकालीन और आधुनिक), आकांक्षा दोहरे (एमएफए), महिमा (एमलिब आईएससी), चांदनी शर्मा (एमए मास कम्युनिकेशन) समेत 38 मेधावी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।